# ताप्ती बैराज के भरोसे शहर की पेयजल सप्लाई, घोघरी डेम से छुड़वाना पड़ेगा पानी

**नवभारत न्यूज**

**बैतूल, 18 अप्रैल. पानी को लेकर शहर में धीरे-धीरे संकट के बादल छाने लगे है। हालात यह है कि अभी एक दिन के अंतराल में पानी की सप्लाई की जा रही है।**

**गूंगाडोह सूखा, एनीकेट में मात्र 4 फीट बचा है पानी**

**किसानों के कुंए-ट्यूबवेल से पानी लेकर नदी में डाल रहे**

जल्द ही पानी को लेकर नपा ने कोई ठोस योजना नहीं बनाई तो शहर वासियों को पेयजल संबंधी समस्याओं से जुझना पड़ सकता है। दरअसल, यह इसलिए भी कहा जा रहा है, क्योंकि शहर की पेयजल सप्लाई के लिए विवेकानंद वार्ड में स्थित फिल्टर प्लांट के समीप बने माचना एनीकट में पानी तली में पहुंच गया है। 15 फीट ऊंचे एनीकट में केवल 4 फीट पानी बचा है। शहर की इमरजेंसी जल आपूर्ति के लिए शहर की सीमा पर स्थित गंगूडोह स्टाप डेम में स्टोर पानी भी पूरी तरह खत्म हो गया है। इससे नगरपालिका के सामने जलसंकट खड़ा हो गया है। बता दे कि ताप्ती बैराज से 70 फीसदी और माचना से 30 प्रतिशत पानी लेकर शहर में सप्लाई किया जाता रहा है। पहले विवेकानंद वार्ड में माचना नदी पर स्थित एनीकेट ही शहर में सप्लाई का मुख्य स्रोत था, हालांकि यहां से शहर की जरूरतों के अनुसार पानी उपलब्ध नहीं हो पाता था। इसके बाद खेड़ी में ताप्ती नदी पर नपा ने करीब 7 करोड़ की लागत से बैराज बनवाया। अब एनीकेट के साथ-साथ इस बैराज से शहर तक पानी लाकर सप्लाई किया जा रहा है।

**लाखापुर और घोघरी से लिया जा चुका है पानी :** नगरपालिका, घोघरी जलाशय से पानी ले चुकी है। जनवरी के अंतिम सप्ताह में लाखापुर जलाशय से भी पानी लिया था। जबकि मार्च की शुरुआत में जलाशयों से पानी लेने की प्रक्रिया शुरू होती थी। लेकिन इस बार मार्च से पहले ही जलाशयों से पानी लेना पड़ा है। बताया जा रहा है कि अभी माचना डैम का जलस्तर साढ़े चार फीट पर है और ताप्ती में भी इतना पानी है कि माचना एनीकेट और ताप्ती बैराज से पानी लेकर शहर को करीब एक माह पानी सप्लाई किया जा सकता है। वैसे जानकार कहते है कि घोघरी जलाशय से अभी मात्र आधा एमसीएम पानी लिया है और आधा एमसीएम पानी रिवर्ज रखा है। यह पानी नपा ले सकती है। जिससे मई-जून तक शहर में पानी की सप्लाई बनी रहेगी। हालात यह है कि अब शहर के 33 वार्डों में एक दिन के अंतराल से पेयजल की सप्लाई की जा रही है। जिससे शहरवासियों को पानी के लिए दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। वर्तमान में नगरपालिका द्वारा एक दिन के अंतराल से ही वार्डों में पेयजल की सप्लाई कर रही है, इसमें भी कई वार्डों में पर्याप्त नल नहीं आने के कारण लोग परेशान है। ऐसे में पेयजल को लेकर लोगों की परेशानियां बढ़ गई है, क्योंकि गर्मी में पानी की खपत दोगुनी हो जाती हैं। ऐसे में पानी की आपूर्ति बनाये रखना नपा के लिए चुनौती बन गया है।

> गंगूडोह में पानी नहीं बचा है। एनीकट में पानी काफी कम है। इसीलिए किसानों के खेतों से ट्यूबवेल और कुएं से पाइप बिछाकर नदी में पानी का लेवल बढ़ा रहे हैं। पानी पंप करना शुरू कर दिया गया है।
>
> **- धीरेंद्र राठौर, सब इंजीनियर, जलप्रदाय शाखा**

### एक दिन के अंतराल में पानी की सप्लाई

माचना नदी का जलस्तर गिरने के कारण नगरपालिका ने शहर में एक दिन के अंतराल से पेयजल सप्लाई करना शुरू कर दिया है। हालात यह है कि अब शहर के 33 वार्डों में एक दिन के अंतराल से पेयजल की सप्लाई की जा रही है। जिससे शहरवासियों को पानी के लिए दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। वर्तमान में नगरपालिका द्वारा एक दिन के अंतराल से ही वार्डों में पेयजल की सप्लाई कर रही है, इसमें भी कई वार्डों में पर्याप्त नल नहीं आने के कारण लोग परेशान है। ऐसे में पेयजल को लेकर लोगों की परेशानियां बढ़ गई है, क्योंकि गर्मी में पानी की खपत दोगुनी हो जाती हैं।

### 9 साल बाद फिर वैसे ही हालात बने

9 साल बाद इस तरह की स्थिति बनी है, जब प्राइवेट पानी की जरूरत नपा को पड़ी है। वर्तमान में एक कुआं और एक ट्यूबवेल मिला, माचना नदी तक पाइप बिछाकर यह पानी पंप करके डाला जा रहा है। बताया जा रहा है कि 2017 में भी इसी तरह के जलसंकट के हालात बने थे। उस समय 92 लाख का पानी नपा ने प्राइवेट टैंकरों से खरीदा था। यह पानी सीधे बोर से टैंकरों में भरकर खरीदकर डाला गया था। पहले भी हमलापुर के किसानों के कुएं नपा ने लिए थे। अब 9 साल बाद दोबारा इस तरह की स्थिति बन रही है। हालांकि नपा का पूरा-पूरा प्रयास है कि शहर वासियों को पानी के संकट ने न जुझना पड़े। इसके लिए निरंतर प्रयास भी किये जा रहे है।

## एक नजर में

### नहीं रहे हरदिल अजीज प्रकाश भैय्या

**भैंसदेही।** गत दिवस नगर के किराना व्यापारी और सरल सहज स्वभाव के धनी 76 वर्षीय प्रकाश मालवीय का सुबह 7 .30 को दुखद निधन हो गया, परिवार के स्नेहीजनों के बताये अनुसार प्रकाश भैय्या का स्वासथ बीते दिनों से खराब चल रहा था ,हंसमुख प्रकाश मालवीय अपने 76वर्षीय जीवन काल में अपने सहज स्वभाव के चलते सबके प्रिय रहे ,मुकेश कुमार के गाये गीत मुबारक हो। सबको शमा ये सुहाना, पुकारो मुझे नाम लेकर पुकारो, ऐ मेरे वतन के लोगों लता जी के चर्चित गीत की सुंदर प्रस्तुति नगर के संगीत कार्यक्रमो में हमेशा किया करते थे,वहीं नंदकिशोर शास्त्री जी के किर्तन,और नगर के संगीतज्ञ स्व .रूपलाल सोनी गुरुजी के साथ तबले पर संगत करने वाले प्रकाश भैय्या अपनी मीठी आवाज और सहज स्वभाव के लिये हमेशा यादगार रहेंगे।

### पेशी पर नहीं जा रहा स्थाई वारंटी पकड़ाया

**मुलताई।** लम्बे समय से न्यायालय मे पेशी पर नही जा रहे एक स्थायी वारण्टी को पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया है ।टीआई नरेंद्र सिंह परिहार ने बताया ग्राम पारेगांव निवासी आरोपी अलकेश उर्फ मनीराम पिता हीरालाल चौधरी उम्र 32 साल निवासी ग्राम पारेगांव न्यायालय मे चल रहे 3 पृथक पृथक प्रकरणो मे पेशी पर नहीं जा रहा था। जिसके चलते कोर्ट द्वारा आरोपी के खिलाफ स्थायी वारंट जारी किए थे जो तामीली हेतू प्राप्त हुए थे, जिसके चलते पुलिस को आरोपी की तलाश थी। पुलिस द्वारा वारंट तामीली हेतू आरोपी के घर पर जाने पर पुलिस के आने की सूचना पाकर पुलिस को चख्मा देकर फरार हो जाता था । आरोपी बहुत लम्बे समय से फरार था जिसकी तलाश हेतू पुलिस द्वारा मुखबिर लगाये गये थे । लगातार प्रयासों के फलस्वरूप मुखबिर सूचना पुलिस द्वारा आरोपी अलकेश उर्फ मनीराम पिता हीरालाल चौधरी उम्र 32 साल निवासी ग्राम पारेगांव को पारेगांव रोड के पास से घेराबंदी कर गिरफ्तार किया ।उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी नरेन्द्रसिंह परिहार, प्र .आर . गजराज, सुशील धुर्वे ,सोनू ठाकुर आर नरेन्द्र कुश्वाह एवं विवेक की मुख्य भूमिका रही है ।

## नारा एवं दीवार लेखन गतिविधियों से दिया जल संरक्षण का संदेश

**बैतूल।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में पानी की प्रत्येक बूंद को सहेजने के लिए प्रदेश सरकार द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। इसके अंतर्गत प्रदेश में बड़ी संख्या में खेत तालाब, अमृत सरोवर, रैन वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम और सूखे कुँओं को नया जीवन देने का कार्य किया जा रहा है। साथ ही नागरिकों को जल संरक्षण के लिये प्रेरित करने हेतु विभिन्न जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद जिला बैतूल द्वारा संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जल स्रोत सेवा समागम कार्यक्रम द्वितीय चरण में जिले के सभी विकासखण्डों में व्यापक जनजागरूकता गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। इस अभियान के अंतर्गत 19 मार्च से नवांकुर स्वयंसेवी संस्थाओं, प्रस्फुटन समितियों एवं मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों के सहयोग से विभिन्न ग्रामों में सुरक्षित जल समृद्ध कल विषय पर नारा लेखन एवं दीवार लेखन किया जा रहा है। इन गतिविधियों का मुख्य उद्देश्य समुदाय को जल संरक्षण एवं जल स्रोतों के संवर्धन के प्रति जागरूक करना तथा समाज और सरकार की सहभागिता से इसे एक जन-आंदोलन का रूप देना है। दीवार लेखन के माध्यम से जल की महत्ता, वर्षा जल संचयन, जल स्रोतों की स्वच्छता एवं संरक्षण जैसे महत्वपूर्ण संदेश आमजन तक सरल एवं प्रभावी तरीके से पहुँचाए जा रहे हैं।

मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा इस प्रकार की जनजागरूकता गतिविधियों को निरंतर गति प्रदान की जा रही है, जिससे आमजन में जल एवं जल स्रोतों के संरक्षण के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित हो सके।

## नाबालिग से छेड़छाड़ करने वाला आरोपी गिरफ्तार

**मुलताई।** पुलिस द्वारा नाबालिक बालिका के साथ छेडछाड करने वाला आरोपी को गिरफ्तार करने मे सफलता प्राप्त की है ।टीआई नरेंद्र सिंह परिहार ने बताया बीते 16 अप्रैल 26 को नाबालिक पीडिता ने थाना मुलताई आकर रिपोर्ट लिखाई की आरोपी रितिक विश्वकर्मा निवासी ससुन्द्रा थाना आमला द्वारा पीडिता को बार बार मैसेज कॉल करके बात करने के लिये दबाब बनाना, पीड़िता का फोटो इंस्टाग्राम मे डाल कर बदनाम करने एवं आवेदिका व परिजनो को जान से मारने की धमकी दी थी। पीडिता की रिपोर्ट पर पुलिस द्वारा आरोपी के पर

धारा75(2),78(2),351(3) बीएनएस 7एवं 8 पाक्सो एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण की गम्भीरता को देखते हुये मुखबिर से सूचना मिलने पर आरोपी की गिरफ्तारी के लिए थाना स्तर पर टीम गठित की गई पुलिस टीम द्वारा कार्यवाही करआरोपी रितिक पिता सुनिल विश्वकर्मा निवासी ससुन्द्रा को ग्राम ससुन्द्रा से घेराबंदी कर पकडा एवं आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय पेश किया गया।

## मारपीट, तोड़फोड़ और धमकी देने वाला आरोपी गिरफ्तार

**पाथाखेड़ा।** जिले में अपराध नियंत्रण के लिए चलाए जा रहे सघन अभियान के तहत सारनी पुलिस ने एक आदतन आरोपी को गिरफ्तार कर कानून-व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में प्रभावी कदम उठाया है। इस त्वरित कार्रवाई से क्षेत्र में शांति का वातावरण स्थापित हुआ है और आम नागरिकों में सुरक्षा का भरोसा बढ़ा है। पुलिस अधीक्षक बैतूल वीरेन्द्र जैन के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमला जोशी एवं एसडीओपी प्रियंका करचाम के मार्गदर्शन में थाना सारनी पुलिस ने यह सफलता हासिल की। गिरफ्तार आरोपी अभिजीत बारस्कर के खिलाफ दो गंभीर आपराधिक प्रकरण दर्ज थे। एक मामले में उसने शोभापुर कॉलोनी निवासी शिव कुमरे एवं उनके पड़ोसी पर कटर से हमला कर उन्हें घायल कर दिया था, जबकि दूसरे मामले में अपने साथियों के साथ घर में घुसकर मारपीट, तोड़फोड़ और जान से मारने की धमकी दी थी। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जबकि अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। इस पूरी कार्रवाई में थाना प्रभारी जयपाल इनवाती सहित पुलिस टीम की सक्रिय भूमिका सराहनीय रही।

## सुरक्षा सुनिश्चित करने दिया प्रशिक्षण आयोजित

**पाथाखेड़ा। वेकोलि** पाथाखेड़ा क्षेत्र में भूमिगत खदानों में कार्यरत कर्मचारियों और श्रमिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु एक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य खदानों में कार्य को अधिक सुरक्षित, व्यवस्थित एवं जोखिममुक्त बनाना रहा। भूमिगत खदानों में कंटीन्यूअस माइनर मशीनों के बढ़ते उपयोग को देखते हुए श्रमिकों के लिए सुरक्षा मानकों का पालन अत्यंत आवश्यक हो गया है। इसी के मद्देनज़र आयोजित इस प्रशिक्षण में मशीन संचालन, संभावित जोखिमों एवं बचाव के प्रभावी उपायों की विस्तृत जानकारी दी गई। क्षेत्रीय

महाप्रबंधक संजय एम. मिश्रा के नेतृत्व में वेकोलि प्रबंधन द्वारा सुरक्षित उत्पादन को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। प्रशिक्षण के दौरान विशेष रूप से संविदा श्रमिकों को सुरक्षा के प्रति जागरूक करने पर जोर दिया गया। क्षेत्रीय व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र में आयोजित इस कार्यक्रम में 26 अधिकारी-कर्मचारियों एवं श्रमिकों ने भाग लिया। विशेषज्ञों ने व्यावहारिक उदाहरणों और आधुनिक तकनीकों के माध्यम से प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों ने इसे उपयोगी बताया।

## कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी ने किया खरीदी केन्द्र का निरीक्षण

**बैतूल।** जिले में रवि उपार्जन वर्ष 2026 -27 की खरीदी प्रारंभ होते ही आपूर्ति विभाग के आला अफसरो ने भी खरीदी केंद्र पर पहुंचकर किसानों को संचालकों द्वारा केदो पर दी जाने वाली सुविधाओं के साथ-साथ केंद्र प्रभारी से भी खरीदी की जानकारी ली है, वहीं कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी ममता सिरसाम ने आठनेर तहसील के एक दर्जन से अधिक केदो पर पहुंचकर औचक निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि जहां कमियां पाई गई, उन्हें हिदायत भी दी गई। अष्टविनायक वेयरहाउस पर पहुंचकर उन्होंने

खरीदी केंद्र प्रभारी मंचित चढ़ोकार एवं आदिम जाति सेवा सहकारी समिति प्रबंधक भोजराव गायकवाड, सर्वेयर महेंद्र लोहारे को दिशा निर्देश दिए एवं खरीदी केंद्र पर किसानों को दी जाने वाली सुविधाओं का भी जायजा लिया।

## भवन निर्माण में लापरवाही, सौंपा ज्ञापन

**पाथाखेड़ा।** सारनी क्षेत्र के बागडोना शहर में करोड़ों रुपये की लागत से बने सरदार विष्णु सिंह उइके शासकीय महाविद्यालय, बगडोना का भवन अब छात्रों के लिए खतरे का कारण बन गया है। निर्माण में गंभीर खामियां सामने आने पर एनएसयूआई ने जोरदार विरोध जताते हुए प्राचार्य प्रदीप पेंद्रम को जिला कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपा। छात्र नेता रोहन सिंह ठाकुर ने आरोप लगाया कि साढ़े तीन करोड़ रुपये से बना भवन महज साढ़े तीन साल में जर्जर हो गया है। दीवारों में दरारें, उखड़ता प्लास्टर, छत से टपकता पानी और बाहर निकली सरिया निर्माण की

गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े कर रही है। उन्होंने कहा कि कक्षाओं में बैठना भी छात्रों के लिए जोखिम भरा हो गया है और कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। एनएसयूआई ने इसे भ्रष्टाचार और लापरवाही का परिणाम बताते हुए उच्च स्तरीय तकनीकी जांच की मांग की है। संगठन ने दोषी ठेकेदार, इंजीनियर और संबंधित अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई के साथ भवन की मरम्मत या पुनर्निर्माण की मांग उठाई है। ज्ञापन सौंपने के दौरान बड़ी संख्या में छात्र मौजूद रहे। संगठन ने चेतावनी दी कि कार्रवाई नहीं हुई, तो आंदोलन करेगे।

## सफाई से लेकर रिकॉर्ड तक गड़बड़ी पर एसडीएम का कड़ा प्रहार

**आमला।** आंगनवाड़ी केंद्रों की व्यवस्थाओं को लेकर एसडीएम शैलेन्द्र बड़ोनिया ने अब कड़ा रुख अपना लिया है। साफ शब्दों में चेतावनी देते हुए उन्होंने कहा कि अब लापरवाही पर सिर्फ नोटिस नहीं, बल्कि सीधे सेवा समाप्ति की कार्रवाई की जाएगी। उनके इस सख्त रुख से क्षेत्र के कर्मचारियों में हड़कंप की स्थिति बन गई है ।हाल ही में एसडीएम ने आवरिया, ससाबड़, अंधारिया और खापा खतेड़ा के आंगनवाड़ी केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कई केंद्रों पर साफ-सफाई की कमी, बच्चों की कम उपस्थिति और रिकॉर्ड संधारण में

लापरवाही सामने आई। इस पर उन्होंने मौके पर ही कर्मचारियों को कड़े निर्देश देते हुए तत्काल सुधार के आदेश दिए।

**निरीक्षण के बाद चला सफाई अभियान, बदली तस्वीर :** एसडीएम की सख्ती का असर अगले ही दिन देखने को मिला। संबंधित गांवों के आंगनवाड़ी केंद्रों में विशेष साफ-सफाई अभियान चलाया गया। केंद्रों में झाड़ू-पोछा, परिसर की सफाई, रसोई व्यवस्था दुरुस्त करने और बच्चों के बैठने की बेहतर व्यवस्था पर काम किया गया। कई जगह दीवारों की सफाई और शैक्षणिक सामग्री को भी व्यवस्थित किया गया।

**बच्चों की सुविधाओं में सुधार, संचालन हुआ व्यवस्थित :** अब केंद्रों में बच्चों के लिए बैठने की उचित व्यवस्था, स्वच्छ पेयजल, साफ शौचालय और पोषण आहार वितरण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। बच्चों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए भी कार्यकर्ताओं को निर्देशित किया गया है ।ग्रामीणों ने व्यवस्थाओं में आए सुधार पर संतोष जताते हुए उम्मीद जताई है कि प्रशासन की यह सख्ती आगे भी जारी रहेगी।

## निशुल्क अंग प्रत्यारोपण शिविर आज

**बैतूल। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ एवं सेवा भारती के द्वारा अनेक सेवा कार्य किए जा रहें हैं।**

**एक सैकड़ा अंग प्रत्यारोपण का लिया लक्ष्य**

**निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण भी किया जायेगा**

इसी कड़ी में सेवा भारती, महावीर सेवा सदन कोलकत्ता एवं जॉइंट्स ग्रुप इंदौर के सौजन्य से जिले के नेहरू उच्चतर माध्यमिक विद्यालय ग्राम खेड़ी में लोक भारतीय शिक्षण समिति बैतूल के माध्यम से निशुल्क परीक्षण एवं दिव्यांगजनों का अंग प्रत्यारोपण शिविर का आयोजन 19 अप्रैल से 23 अप्रैल तक किया जा रहा है।

इस संबंध में कार्यक्रम आयोजक अभिषेक खंडेलवाल ने बताया कि शिविर में विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा उपचार, जांच एवं माप के बाद निशुल्क कृत्रिम अंग वितरण करने के साथ ही समृद्धि हेल्थ केयर बैतूल द्वारा निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण भी किया जाएगा जिसके लिए पांच दिवसीय शिविर में प्रत्येक ब्लॉक के लिए अलग-अलग दिन निश्चित किये गए है। संघ ने जिले के भैंसदेही, घोड़ाडोंगरी, चिचोली, मुलताई, सारणी, शाहपुर, भीमपुर, आठनेर,आमला एवं बैतूल नगर में जरूरतमंदों से संपर्क कर पंजीयन किया गया है। साथ ही आग्रह किया है कि सभी दिव्यांगों जिनके हाथ पैर नहीं है पहचान पत्र के साथ उपस्थित रहे।

## अवैध कब्जों और धर्मांतरण पर कड़ी कार्रवाई की मांग

**बैतूल।** बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने बैतूल शहर में विभिन्न मुद्दों को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने शिवाजी चौक पर एकत्रित होकर नारेबाजी की और पुतला दहन किया। प्रदर्शन के बाद कार्यकर्ताओं ने जिला प्रशासन के माध्यम से राष्ट्रपति के नाम एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में देश में अवैध कब्जों और जबरन धर्मांतरण जैसे मामलों पर चिंता व्यक्त की गई। संगठन ने इन मुद्दों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की। साथ ही, सामाजिक सौहार्द बनाए रखने और कानून-व्यवस्था को मजबूत करने की अपील भी की गई। प्रशासन से त्वरित कदम उठाने की अपेक्षा जताई गई है। इस

प्रदर्शन का नेतृत्व मध्य भारत प्रांत के गौरक्षा प्रमुख कृष्णकांत गावंडे ने किया। कार्यक्रम में संगठन के जिला संयोजक शुभम यादव और जिला मंत्री श्याम राठौर सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे। प्रदर्शन के दौरान मौके पर पुलिस बल भी तैनात रहा और स्थिति शांतिपूर्ण बनी रही।

## गर्मी से वन्यजीवों को पानी का संकट

**बैतूल।** जिले में भीषण गर्मी के कारण जंगलों में जलस्रोत सूखने लगे हैं, जिससे वन्यजीवों के सामने पेयजल का गंभीर संकट खड़ा हो गया है। सारणी स्टेट हाईवे से लगे आमडोल और बरेठा घाट जैसे क्षेत्रों में हजारों की संख्या में बंदर, पक्षी और अन्य जंगली जीव पानी के लिए भटक रहे हैं। इस स्थिति को देखते हुए राष्ट्रीय हिंदू सेना के कार्यकर्ताओं ने वन्यजीवों के लिए पानी की व्यवस्था शुरू की है। संगठन के सदस्य जंगल और सड़क किनारे विभिन्न स्थानों पर पानी से भरे मटके रख रहे हैं। इसके अतिरिक्त, आमडोल और बरेठा घाट क्षेत्र में लगभग पांच स्थानों पर टांकों का निर्माण भी किया जा रहा है। इन टांकों में नियमित रूप से पानी भरा जा रहा है, ताकि भीषण गर्मी में वन्यजीवों को राहत मिल सके। कार्यकर्ता राहगीरों से भी इन घड़ों में पानी भरकर सहयोग करने की अपील कर रहे हैं। इधर, वन विभाग भी अपने स्तर पर वन्यजीवों के लिए पानी की व्यवस्था कर रहा है। चिचोली रेंजर शैलेंद्र चौरसिया के अनुसार, उनके क्षेत्र में 10 से 12 सासर (सीमेंट टैंक) बनाए गए हैं, जबकि पश्चिम वन मंडल में ऐसे 25 से 30 सासर मौजूद हैं। इन सासरों को टैंकरों के माध्यम से भरा जाता है। हालांकि, विभाग फिलहाल अतिरिक्त बजट का इंतजार कर रहा है, जिसके कारण व्यापक स्तर पर व्यवस्था करने में बाधा आ रही है। पानी की कमी के चलते अब वन्यजीव शहर और रिहायशी इलाकों की ओर रुख करने लगे हैं। हाल ही में सोना घाटी क्षेत्र में कुत्तों द्वारा शिकार किए जाने से एक हिरण शावक की मौत हो गई थी।